फर्द अहकाम

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी चाकसू जिला जयपुर (ग्रामीण)।

स संख्या :- 810 /2024

शंकर लाल बनाम हनुमान

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
02.02.2024	प्रार्थी की ओर से वकील रमेश चौधरी ने यह अंतर्गत धारा 212 आरटीए न्यायालय में पेश किया। रिपोर्ट न्यायालय हाजा हो चुकी है। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जावें। अप्रार्थीगणों को जरिये नोटिस तलब कर दिनांक 18.04.2024 को पेश हो। प्रार्थी के विद्वान अधिवक्ता के इस अनुरोध पर कि प्रकरण अत्यावश्यक प्रकृति का है तथा प्रार्थी के पक्ष में अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पारित नही किये जाने पर वाद व प्रार्थना पत्र का उद्देश्य ही असफल हो जावेगा। प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा के बिन्दु पर अधिवक्ता प्रार्थी को सुना गया। अधिवक्ता प्रार्थी का कथन है कि अप्रार्थीगण प्रश्नगत भूमियों को खुर्द बुर्द एवं हस्तांतरित करने व नवनिर्माण करने पर आमादा है। इसलिए प्रार्थी के पक्ष में अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की जावें। प्रार्थना पत्र की आकस्मिकता व तत्काल आवश्यकता को देखते हुए आगामी आदेश तक अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा रूप से इस आशय की जारी की जाती है। कि अप्रार्थीगण ग्राम फतेहपुरावासावाटिका के खाता संख्या 145 पुराना 123 के खसरा नंबर 1125, 1126, 1127, 166, कुल किता 4 कुल रकबा 1.28 है० खाता संख्या नया 238 पुराना 211 के खसरा नंबर 168 कुल किता 1 कुल रकबा 0.45 है० वाके ग्राम फतेहपुरावासावाटिका पटवार हल्का सीमल्यावास तहसील चाकसू का राजस्व रिकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनाये रखें। स्थगन राजकीय विभागों के कार्य/न्यायालय आदेश/न्यायालय आदेश द्वारा रास्तों के अगल दरामद/साको सेडा के तहत बैंक कार्यवाही पर लागू नहीं होगा। अप्रार्थीयों को नोटिस की तामील की सामान्य एवं साधारण प्रक्रिया के साथ साथ अप्रार्थीगण को प्रार्थना पत्र दस्तावेजात व नोटिस आदि की प्रतियां रजिस्टर्ड डाक से भिजवाना करे तथा आगामी पेशी पर इस आशय का शपथ पत्र भी प्रस्तुत करे। प्रकरण को स्वच्छ हाथों से प्रस्तुत किया हुआ मानकर तथा एकपक्षीय सुनवाई के आधार पर न्यायालय विवेकाधीन शक्तियों के तहत यह अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की है। लिहाजा प्रार्थी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उपरोक्तानुसार अप्रार्थीगण पर एकपक्षीय आदेश की तामील की ठोस कार्यवाही करें तथा आदेश 39 नियम (3) सीपीसी के प्रावधानों के अनुसार युक्तियुक्त निर्णय कराने के लिए हर संभव यत्न करें अन्यथा अंतरिम आदेश को आयन्दा तारीख पेशी तक विस्तारित करने से पूर्व न्यायालय अपने विवेकाधिकार का प्रयोग करेगा। जिन परिस्थितियों में यह अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पारित की गई है, में परिवर्तन की दशा में संशोधित/वैकेट कर दी जावेगी। पत्रावली वास्ते तामील हेतु दिनांक 18.04.2024 को पेश हो। उपखण्ड अधिकारी उपखण्ड चाकसू (जयपुर)	
4/4/24	पत्रावली आज दावे की पत्रावली के साथ तलब की गई। प्रार्थी स्वयं उपस्थित। वकील प्रार्थी व स्वयं प्रार्थी के कहने व दावा विड्रो होने के कारण प्रा. पत्र 212 RTA का विड्रो (खारिज) किया जाता है। प्रा. पत्र 212 RTA का विड्रो होने से न्यायालय का स्थगन आदेश दिनांक 2/2/24 का प्रभावहीन हो गया है। पत्रावली बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। उपखण्ड अधिकारी उपखण्ड, चाकसू (जयपुर)	212 RTA [illegible]